## **GOTT LOBEN UND EHREN**

mit dem seligen Johannes Duns Scotus

| GEBET  |    |
|--|----|
| DES SELIGEN JOHANNES DUNS SCOTUS                   | 5  |
| LITURGISCHE TEXTE                                  | 11 |
| 1. Das Dekret über die Anerkennung als Seliger     | 12 |
| 2. Vesper in S. Peter in Rom                       | 17 |
| 3. Predigt des Papstes                             | 24 |
| 4. Messtext  | 28 |
| 5. Lesehore  | 32 |
| PRIVATE TEXTE                                      | 35 |
| 6. Texte für den Gottesdienst                      | 36 |
| 7. Andacht zu Christus – dem menschgewordenen Wort | 39 |
| 8. Andacht zu Christus – dem Mittler               | 44 |
| 9. Andacht zu Christus – dem Vorerlöser Marias     | 50 |
| 10. Gebete   | 55 |
| 11. Mit dem Heiligen Vater beten                   | 60 |
| 12. Statio   | 66 |
| GEDANKEN ZUR VEREHRUNG                             | 69 |
| 13. Berufen zur Mitliebe                           | 70 |
| 14.Zur Bedeutung des Johannes Duns Scotus          | 77 |
| 15.Literatur zur Verehrung                         | 86 |
| ANHANG   | 90 |
| 15. Scotus-Lied                                    | 90 |
| 16. Immaculata-Gebet von Neviges                   | 91 |
| 17. Tota pulchra es, Maria!                        | 92 |
| 18. Wunderberichte                                 | 93 |